# Series 52 -Shankaracharyaji & Sadhu Samajs declare Satpanth as Muslim Religion / શંકરાચાર્યજી અને સાધુ સમાજ સતપંથને મુસ્લિમ ધર્મ તરીકે જાહેર કર્યો

श्रीमी जगद्गुरु शङ्कराचार्य महासंस्थानम् दक्षिणाम्नाय श्रीशारदापीठम् शृंगेरी
Sri Sri Jagadguru Shankaracharya Mahasamsthanam
Dakshinamnaya Sri Sharada Peetham, Sringeri - 577 139, Karnataka, INDIA.
September 6, 2011
We wish to clarify for the benefit of the general public and in particular for the followers of the Sanathana Dharma that the propaganda being made and religious practices being observed in some places in the name and style of
"Satpanth" alias "Pirana Satpanth" alias "Satpanth Sanathan Religion" alias "Satpanth Sanathan Vedic Religion" or under any other similar name
is not Sanathana Dharma (popularly called the Hindu Religion), which is in practice for thousands of years.
This clarification is being given as per the directions and with the blessings of His Holiness Jagadguru Sri Sri Bharathi Theertha Mahaswamigal, the reigning pontiff of the sacred Dakshinamnaya Sri Sharada Peetham, Sringeri.
ADMINISTRATOR
www.realpatidar.com

14-Nov-2012
|| Jay Laxminarayan || || જય લક્ષ્મીનારાયણ ||

સર્વેને નુતન વર્ષાભિનંદન....
Wish you a prosperous and happy new year…

સનાતન હિંદુ ધર્મમાં એકજ આદિ શંકરાચાર્ય થઇ ગયા અને તમના દ્વારા ભારત દેશનાં ચારે દિશામાં એક એક વેદ મૂકીને ચાર પીઠો ને સ્થાપી. સનાતન ધર્મમાં સર્વોચ્ચ ગણાતા એવા એવા ચાર પીઠોનાં ચાર શંકરાચાર્યો છે... (બાકી બધા શંકરાચાર્યો બનીબેઠેલા ખોટા છે અથવા પેટા શંકરાચાર્યો છે – મુખ્ય તો કેવલ ચાર જ છે), જે નીચે પ્રમાણે છે...
There was only one Adi Shankaracharya in Sanatan Hindu religion. By placing a Veda at each peeth, Shri Adi Shankaracharya had established 4 peeths in the four corners of India. The four peeths are managed by the respective Shankaracharyas who are considered as top most religious authority amongst Sanatan Hindu religion.

૧) ઉત્તરમાં – જ્યોતિ પીઠ – બદ્રીનાથ, હિમાચલ પ્રદેશ / North – Jyoti Peeth – Badrinath, Himachal Pradesh
૨) દક્ષીણમાં – શારદા પીઠ – શ્રીંગેરી, કર્નાટક / South – Sharada Peeth – Sringeri, Karnataka
૩) પૂર્વમાં – ગોવર્ધન પીઠ – પૂરી , ઊડીશા / East – Govardhan Peeth – Puri, Odisha
૪) પશ્ચિમમાં – શારદા પીઠ – દ્વારકા, ગુજરાત / West – Sharada Peeth – Dwarka, Gujarat

સતપંથ વિષય પર પોતાના મંતવ્યો જાહેર કરતા પત્રો તમે અહીં વાંચી શકશો...
You can read the letters by these Shanakaracharya conveying their opinions about Satpanth…
૧) ઉત્તર / North:

૨) દક્ષીણ/South:

૩) પૂર્વ/East:

realpatidar.com

realpatidar.com

૪) પશ્ચિમ/West:

શંકરાચાર્યોની જેમ ... સાધુઓનું આપણા સનાતન ધર્મ વ્યવસ્થામાં બહુ મોટું મહત્વ છે. સાધુઓની બે મુખ્ય સંસ્થાઓ છે... / Like Shankaracharyas... Sadhus enjoy a special status in the Sanatan Dharm. There are two main institutions of Sadhus, viz.,

૧) શ્રી પંચ દશનામ જુમા અખાડા, અને / Shri Panch Dashnam Ahada, and
૨) શ્રી ભારત સાધુ સમાજ / Shri Bharat Sadhu Samaj
... આ બન્ને સાધુઓની સંસ્થાઓ સાથે લાખો સાધુઓ જોડાયેલા છે. તેવી સંસ્થાઓએ પણ પીરાણા સતપંથ વિષે પોતાના મંતવ્યો જાહેર કરતા પત્રો આપેલ છે, જે નીચે મુજબ છે...
... Millions of Sadhus are associated with these two institutions of Sadhus. These institutions also have publicly opined on Satpanth, which can be read below;

૧) શ્રી પંચ દશનામ જુના અખાડા / Shri Panch Dashnam Akhada

૨) શ્રી ભારત સાધુ સમાજ / Shri Bharat Sadhu Samaj

## ખાસ નોંધ: ઉપર જણાવેલ ૬-૬ પત્રોને વાંચવાથી ચોખ્ખે ચોખ્ખું જણાઈ આવે છે કે સતપંથ એક મુસલમાન ધર્મ છે.
## Special Note: After reading these very important 6 letters, mentioned above, it is abundantly clear that Satpanth is Muslim religion.

*ઉપર જણાવેલ પત્રોને ભેગા કરનાર ટીમનાં સભ્યોએ આ માહિતી મોકલેલ છે. આવા પત્રો ભેગા કરવા બદ્ધલ આ ટીમનાં જેટલા ગુણ ગાઈએ તેટલા ઓછા છે.*
***This information is forwarded by the members of the team who collected these letters. We thank the team to doing such great work.***

Full Download / ફૂલ ડાઉનલોડ: https://www.box.com/s/1jsf06kyqqb4vzmc1wj6

Real Patidar / રીયલ પાટીદાર

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ श्री शङ्कराचार्यो विजयतेतराम् ॥

*श्रीः*

श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्य्यपदवाक्यप्रमाणपारावारपारीणयमनियमासनप्राणायामप्रत्याहारधारणाध्यानसमाध्यष्टाङ्गयोगानुष्ठाननिष्ठतपश्चर्य्याचरणचक्रवर्त्यनादिगुरुपरम्याप्राप्तवैदिकदर्शनमतस्थापनाचार्य्यसकलनिगमागमासारहृदयवैदिकमार्गप्रवर्त्तकसर्वतन्त्रस्वतन्त्रचातुर्वर्ण्यसंरक्षकश्रीमन्महाराजाधिराजगुरुभूमण्डलाचार्यजगद्गुरुनन्तश्रीविभूषितश्रीमदादिशङ्कराचार्य्यभगवत्पादपद्मभृङ्गायमानाः श्रीमदनेकशासनतिरस्कृतान्तेवासिजननमनस्तमस्स्तोमाः शश्वत्सार्वभौमविश्वजनीनसनातनधर्मसंरक्षणबद्धपरिकराः परापरविद्याविद्योतितान्तःकरणाः समस्तसम्प्रदायसमन्वयसाधन दत्तचित्ताः विविधविरुदावलिविराजमानमानोन्नताः अलकनन्दागङ्गातीरनिवास्युत्तराम्नायश्रीमज्ज्योतिष्पीठाधीश्वराः श्रीमद्वासुदेवानन्दसरस्वतीस्वामिवर्य्याः विजयन्तेतराम्।

ज्योतिर्मठ उत्तराम्नायः

पदाधिष्ठाभ्यां

दिनांक ५-६-२०१२

पत्रांक.....

**१. ज्योतिर्मठ**
पोस्ट-जोशीमठ
जिला-चमोली
गढ़वाल, (उत्तरांचल)
दूरभाष-(०१३८९)२२१२७

**२.श्री शंकराचार्य आश्रम**
५६, श्री ब्रह्मनिवास
१५ अलोपीबाग,
प्रयाग, (उ०प्र०)
दूरभाष-(०५३२) ५०००९७
५०२१५८

**३. साम्प्रतिक वास**

आम जनता के हित में और मुख्यतः सनातन धर्म के अनुयायियों के हित में यह स्पष्ट किया जाता है कि कुछ स्थलों पर प्रचलित धर्म - जिसका नाम सतपंथ धर्म • पीराणा सतपंथ धर्म उर्फ सतपंथ सनातन धर्म उर्फ सतपंथ सनातन वैदिक धर्म ८ और समय समय पर उनके द्वारा अपनाया हुआ अन्य कोई भी नाम) एवम् उनसे सम्बन्धित धार्मिक प्रचार, रीति रिवाज और प्रथा है, जिसे सुविधा के लिये सतपंथ धर्म कहा जाता है,

यह सतपंथ धर्म अनादि काल से प्रचलित सनातन धर्म ८ जिसे आम तौर पर हिन्दू धर्म कहा जाता है) का अंश / भाग / हिस्सा नहीं है। और वह धर्म और उससे सम्बन्धित धार्मिक प्रचार रीति रिवाज और प्रथा इत्यादि का सनातन धर्म से कोई भी सम्बन्ध नहीं है। वस्तुतः सतपंथ धर्म मुस्लिम धर्म है। सतपंथ धर्म से हिन्दुओं को सजग और सचेष्ट रहना चाहिए।

इत्यलम्

आज्ञया-श्रीचरणानाम्

सचिव कोषाध्यक्ष

realpatidar.com

realpatidar.com

श्रीश्री जगद्गुरु शङ्कराचार्य महासंस्थानम् दक्षिणाम्नाय श्रीशारदापीठम् शृङ्गेरी

Sri Sri Jagadguru Shankaracharya Mahasamsthanam

Dakshinamnaya Sri Sharada Peetham, Sringeri - 577 139, Karantaka. INDIA.

अहं ब्रह्मास्मि

1598

V.R. Gowri Shankar BE, DIISc,MIMA.,
CEO & Administrator
Sri Sringeri Math and its Properties

Phone Off : 08265 - 250123 Resi : 08265 - 250192 Fax : 08265 - 250792
Website : www.sringerisharadapeetham.org (or) www. sringeri.net
E.mail : info@sringerisharadapeetham.org

Ref Camp : Date :

September 6, 2011

We wish to clarify for the benefit of the general public and in particular for the followers of the Sanathana Dharma that the propaganda being made and religious practices being observed in some places in the name and style of :

"Satpanth" alias "Pirana Satpanth" alias "Satpanth Sanathan Religion"
alias "Satpanth Sanathan Vedic Religion" or under any other similar name

is not Sanathana Dharma (popularly called the Hindu Religion), which is in practice for thousands of years.

This clarification is being given as per the directions and with the blessings of His Holiness Jagadguru Sri Sri Bharathi Theertha Mahaswamigal, the reigning pontiff of the sacred Dakshinamnaya Sri Sharada Peetham, Sringeri.

ADMINISTRATOR

realpatidar.com

realpatidar.com

श्रीहरि:
श्रीगणेशाय नम:
पूर्वाम्नाय श्रीगोवर्द्धनमठ-पुरीपीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरु-शङ्कराचार्य-स्वामी निश्चलानन्दसरस्वती
श्रीगोवर्द्धनमठ-पुरी- ७५२००१, ओड़िशा, दूरभाष/फेक्स:- ०६७५२-२३१०९४
निज सचिव - स्वामीश्रीनिर्विकल्पानन्दसरस्वती, मो-९४३७०३१७१६,९४३७००४७९५
Tele-Fax 06752 - 231094, Ph.- 231716, Mobile No :- 9437031716, 9437004795
e-mail-contact@govardhanpeeth.org,website-www.govardhanpeeth.org

क्रमाङ्क :-३६२/२७८/गो.म./१२

।। श्रीहरि: ।।

❋ श्रीगणेशाय नम: ❋

## पूर्वाम्नाय-श्रीमज्जगद्गुरु-शङ्कराचार्य-पुरीपीठाधीश्वर स्वामी निश्चलानन्दसरस्वतीजी महाराजका 'सत्पन्थ' से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण सन्देश

विदित हो कि १४वीं सदीमें ईरान-निवासी शिया-इस्लामिक प्रचारक 'पीर सदरुद्दीन' के द्वारा संस्थापित 'सत्पन्थ'(सतपंथ) और इमाम शाह बावा के द्वारा संस्थापित ' पीराणा सतपंथ' , गुजराती लेक्सीकोन, भगवद् गोमण्डल, जोड़नीकोष और सत्यप्रकाश - पीराणा सतपंथका इतिहास पुस्तकोंके अनुसार मुसलिमधर्म हैं । http:// www.ismaili.net, http:// www.iis.ac.uk के अनुसार इनमेंसे एक संस्थानके धर्मगुरु आगाखान इस्लाम उद्घोषित हैं । सरकारी दस्तावेज गेजेटियर ऑफ बाम्बे १८८०, बाम्बे गेजेटियर १८९९, गुजरात राज्य गेजेटियर - अहमदाबाद जिल्ला १९८४ तथा गेजेटियर ऑफ इण्टिया - गुजरात राज्य १९८९ के अध्ययनसे इनके घातक छद्मरूपकी विशेष जानकारी प्राप्त की जा सकती है ।

वस्तुस्थिति यह है कि इस्लामके मौलिक सूत्रात्मक अंशको इस संस्थानके आचार और विचारमें सम्मिलितकर हिन्दु-आदि अन् इस्लामिक-संस्कृतिको विकृतकर उन्हें अल्पसङ्ख्यक बनानेका यह विषाक्त मनोवैज्ञानिक कुचक्र है । घातक छद्मके चपेटमें आकर भारतके गुजरात आदि क्षेत्रोंमें लाखों हिन्दू धर्मच्युत हो चुके हैं और होने जा रहे हैं ।

लोभ, भय, कोरी भावुकता और अविवेकके वशीभूत हिन्दुओंके ख्यातिप्राप्त कतिपय सांस्कृतिक, सामाजिक तथा प्रशासनिक महानुभावोंको भी इस संस्थानने अपना पक्षधर बनाकर इस संगठनसे पलायनकी भावनावाले व्यक्तियोंको भ्रमित तथा अवरुद्ध कर दिया है ।

मानवाधिकारकी सीमामें इस विदेशी षड्यन्त्रको निरस्त करनेकी आवश्यकता है ।

देशकी अखण्डता, सनातन हिन्दु -संस्कृति की सुरक्षा और वंशपरम्पराकी विशुद्धिकी भावनासे इस पन्थके चपेटसे स्वयंको यथाशीघ्र मुक्तकर पुन: पूर्वप्राप्त सनातन-हिन्दु-संस्कृतिको स्वीकार करनेकी आवश्यकता है ।

इस्लामजगत्के प्रति अन्-इस्लामिक संस्थानोंकी दुर्भावनाको रोकनेकी भावनासे इस संस्थानके सञ्चालकोंका यह दायित्व है कि उक्त घातक प्रकल्पको वे शुद्ध हृदयसे यथाशीघ्र स्वयं निरस्त कर मानवोचित शीलका परिचय दें।

निर्विकल्पानन्द सरस्वती

स्वामी श्रीनिर्विकल्पानन्दसरस्वती
निजसचिव
पूर्वाम्नाय- श्रीमज्जगद्गुरु-शङ्कराचार्य
पुरी, ओडिशा (भारत)
(२६.०८.२०१२)

realpatidar.com

realpatidar.com

श्री द्वारका

शारदापीठम्

द्वारका • गुजरात • भारत

प्रेषक : सचिव,
पू.पाद जगद्गुरु शङ्कराचार्य महाराज

टेलीफोन : ( 02892 )234064, 235109 फैक्स : 234457

दिनांक : 12/11/2012
स्थान : द्वारका

# धर्मादेश

जगद्गुरु शङ्कराचार्य मठ शारदापीठ द्वारका को कच्छ पाटीदार समाज द्वारा एवं प्राचीन इतिहास (गजेटियर) के आधार पर हम इस निश्चय पर स्थिर हुये हैं कि सत्पंथ पथ हिन्दु मुसलमानों को मिलाकर अन्त में छद्मवेष से हिन्दुओं को मुसलमान बनाने का कुचक्र चलाता है ।

* सत्पंथ के कथनानुसार वे हिन्दू ही हैं, तो नाम मुसलमानों जैसा क्यों ?
* यदि हिन्दुधर्म के ही देवी-देवता मानना है तो उसके लिये सतपंथ की ओर आकर्षित करना जरुरी क्यों?
* हिन्दुधर्म का ही पालन करना है तो पीराणा में इमाम शाह बाबा की कब्र की आवश्यकता क्यों ?
* सत्यप्रकाश पीराणा सतपंथ का इतिहास ग्रन्थ से सतपंथ मुस्लिम धर्म है ।
* प्राप्त प्रमाणों के आधार पर सत्पंथ संस्थान के धर्मगुरु आगाखान माने जाते हैं, वे क्यों हिन्दुधर्म का प्रचार करेंगे ?
* सरकारी दस्तावेजों में - गुजरात गजेटियर में, बाम्बे गजेटियर - 1899 में, अहमदाबाद जिला के 1984 के गजेटियर से यह प्रमाणित हैं कि सत्पंथ मुस्लिम धर्मावलम्बियों का है ।
* भगवद्गोमण्डल, प्रवीण प्रकाशन, राजकोट (भाग-9) पृष्ठ सं. 8461 में स्पष्टता पूर्वक सतपंथ का अर्थ मुस्लिम धर्म कहा है ।
* गुजराती विश्वकोश (खण्ड-22), पृष्ठ सं. 70-71 में सतपंथ का पूरा इतिहास लिखा है जिससे ये मुस्लिम मताबलम्बी सिद्ध होते हैं ।

हिन्दुधर्म की विशालता, प्राचीनता एवं सनातनी परम्परा को देखकर सतपंथी इमाम शाह बाबा की यह सुनियोजित योजना थी (है) कि हिन्दुओं को तोड़ना है, तो प्रारम्भ में कुछ उनकी बातों को स्वीकार कर लिया जाय कुछ अपनी बात जोड़ दी जाय, धीरे-धीरे हिन्दू संस्कृति को विकृत कर दिया जाये ।

इसी योजना के अन्तर्गत भ्रम फैलाकर हिन्दु मुस्लिम एकता का ढिण्ढोरा पीटकर कच्छ, गुजरात, महाराष्ट्र में लाखों हिन्दुओं को सत्पंथी धर्मच्युत कर चुके हैं ।

हिन्दू कौन, जो अपने आप को हिन्दू मान बैठा हो, हिन्दूधर्म का पालन करे, जो अपने दिल में अपने आप को हिन्दू विषयक अभिमान से आविष्ट कर चुका हो - **सः हिन्दूः** ।

**गोषुभक्तिर्भवेदस्य पुनर्जन्मनि दृढ़ाशयः ।**
**ॐकार मूलमन्त्रस्य सर्वेहिन्दुरिति स्मृतः ॥**

गाय में जिसकी भक्ति हो । ॐकार जिसका मूलमन्त्र हो । जो पुनर्जन्म मानता है, वैदिक परम्परा को प्रमाण मानता हो।

क्रमशः ..... 2

realpatidar.com

realpatidar.com

श्री द्वारका

शारदापीठम्

द्वारका • गुजरात • भारत

प्रेषक : सचिव,
पू.पाद जगद्गुरु शङ्कराचार्य महाराज

टेलीफोन : ( 02892 )234064, 235109 फैक्स : 234457

दिनांक : 12/11/2012
स्थान : द्वारका

(2)

माता-पिता में भक्ति हो, भारत को जन्मभूमि माँ के रूप में मानता हो वह हिन्दू। मुसलमान तो पुनर्जन्म मानते ही नहीं हैं, रोजा रखने वाला हिन्दू कैसे ?

**हीनं दूषयति इति हिन्दू** - हीन को दूषित करे हिन्दू - प्रश्न ये हैं कि हीन किसे कहते है -

**अन्यवादी क्रियाद्वेषी नोपस्थायी निरुत्तरः ।**
**आहूत प्रपलापी च हीनः पञ्चविधस्मृतः ॥**

हिन्दूधर्म को दूषित करने वाले की निन्दा करने वाला या हीन, अधम, नीच, गर्ह्य, निन्दा या नष्ट करने के अर्थ में -

**हिंकृणवती वसुमती ....** (ऋक.1-164-27)

**हीनञ्च दूषयत्येव हिन्दुरित्युच्यते प्रिये** (मेरुतन्त्र प्रकाश -23)।

**यवनैखनिः क्रान्ताः हिन्दवो विन्ध्यमाविशन् ।**
**कलिना वेदमार्गोऽयं बलिना कवलीकृतः ॥** (शार्ङ्गधर पद्धति)

**बलिना कलिनाऽऽछन्ने धर्मे कवलिते कलौ ।**
**यवनैश्चनिः क्रान्ता हिन्दवो विन्ध्यमाविशन ॥** (कालिका पुराण)

**हिनस्ति तपसा पापान् दैहिकान् दुष्टमानसान् ।**
**हेतभिः शत्रुवर्गश्च स हिन्दुरभिधीयते ॥** (पारिजातहरण नाटके)

कुछ उदारवादी हिन्दु संस्थान या सन्तों, महन्तों को भ्रम में रखकर उनसे समर्थन लेकर सत्पंथ अपने उद्देश्य को पुष्ट कर रहा है ।

अतः देश की अखण्डता, सनातनधर्म, हिन्दुधर्म की सुरक्षा, की रक्षा के लिए कोरी भावुकता का त्यागकर हिन्दुधर्म की सनातनीय परम्परा का पालन करना चाहिए, षडयन्त्र से अपनी रक्षा करनी चाहिए ।

(स्वामी सदानन्द सरस्वती)
सचिव, श्रीशारदापीठ, द्वारका
जामनगर, गुजरात

realpatidar.com

realpatidar.com

ॐ
।। श्री गुरु दत्तात्रेयो विजयतेतराम् ।।
दूरभाष : 0542-2275701
मो0 : 09820528395

**श्री पंञ्च दशनाम जूना अखाड़ा**

बड़ा हनुमान घाट, वाराणसी (उ० प्र०)
(रजि. एक्ट २१, सन् १८६० के अन्तर्गत पंजीकृत)

क्रमांक : .....

सभापती श्री श्रीजाधन्व श्रीजी महाराज का आदेश
दिनांक : 12-11-2012

सत्तपन्थ नामक संस्था के कुचक्रों से सावधान

आत्मीय सन्तवृन्द !

भारतवर्ष में सर्वत्र एक सतपन्थ नामक धार्मिक संस्था के द्वारा हिन्दू नाम आचार एवं साहित्य सम्बन्धी शब्दों का उपयोग कर कुछ लोग बनावटी हिन्दू धार्मिक साहित्य द्वारा जनता को भ्रमित कर इस्लाम धर्म स्वीकार करने को बढ़ावा दे रहे हैं। उदाहरण के लिए → दशावतार के नाम पर मुहम्मद पैगम्बर के दामाद हजरत अली तालीम को विष्णु का दशवाँ अवतार मानना उन्हें निष्कलंकी नारायण कहना इत्यादि। इसी सतपन्थ की शाखायें गुजरात एवं महाराष्ट्र में भी कार्यरत हैं। जिनके माध्यम से पीराणा सतपन्थ नाम से लोगों को मुसलमान बनाया जा रहा है।

इसी विषय को लेकर हमारे सनातन धर्म के अमुक सन्तवृन्द तो इस विषय को लेकर मोहित हो गये हैं। इसलिए अमुक प्रतिष्ठित सन्तों का नाम उल्लेख करके और जनता को गुमराह कर हैं। इसलिए हमारी सनातन धर्म प्रजा इन गुमराह करने वाले व्यक्ति से बच के रहना उचित होगा। उदाहरण के तोर पर → जैसे की पत्रिका में महामण्डलेश्वर तथा सभापती नाम का गलत उल्लेख किया गया है। यह बहुत गम्भीर प्रश्न है।

देवेन्द्रशर्मा



realpatidar.com

realpatidar.com

ॐ

॥ श्री गुरु दत्तात्रेयो विजयतेतराम् ॥

दूरभाष : 0542-2275701
मो0 : 09820528395

# श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा

बड़ा हनुमान घाट, वाराणसी (उ० प्र०)
(रजि. एक्ट २१, सन् १८६० के अन्तर्गत पंजीकृत)

क्रमांक : .....

—2—

दिनांक : 18-11-2012

इसलिए आम सनातन धर्म प्रेमी भाईयों को सुचित किया जाता है की यह सन्त सम्मेलन रखा है, जो तारिख 17-18-19, नवम्बर 2012 को पिराणा मे रखा है। उसमें जनता को गुमराह करने के लिए प्रतिष्ठित सन्तो का उल्लेख किया गया है। इसलिए ~~जाहिर~~ आम सनातन धर्म प्रेमियों को सुचित किया जाता है कि यह सतपन्थी पिराणा धर्म यह इस्लाम धर्म का भाग है। इसलिए इस धर्म से बच कर रहना चाँहिए।

महाराज की आज्ञा से
लिखितम देवेन्द्र शास्त्री
देवेन्द्रशास्त्री

realpatidar.com

realpatidar.com

# भारत साधु समाज

शाखा कार्यालय : अध्यक्ष-महंत श्री, गोपाला नंदजी, बीलनाथ महादेव, जुनागढ. फोन : ०२८५ - २६७१४२२

शाखा कार्यालय : महंत श्री पहेलवान बापुश्री मनोकामना सिद्ध हनुमान, केनाल रोड, कापड मील गेट के पास, राजकोट.


✸ अध्यक्ष ✸
महंत श्री
गोपालानंदजी ब्रह्मचारी
बिलखा
फोन नं. ०२८५-२६८३०८७

बालकेश्वर मंदिर
अहमदाबाद
फोन नं. ०७९-२७५५६७०७

✸ सेक्रेटरी ✸
महंत श्री वैष्णवदासजी
जागनाथ महादेव,
राजकोट
फोन नं. ०२८१-२४६५८२०

✸ जो. सेक्रेटरी ✸
महंत श्री
रघुवरदासजी पहेलवान
श्री डेमेश्वर महादेव
आजी-१, राजकोट.

खाखा मढी हनुमान
मंदिर, सारण पुल के
पास, जेतपुर.
मो. ९३२७७ ०५१८८
मो. ९९०९६ ०३३३९


प्रति श्री,

दिनांक : 20/11/12
स्थान :

## सतपन्थ नामक संस्था के कुचक्रों से सावधान

आत्मीय सन्तवृन्द!

भारतवर्ष में सर्वत्र एक **सतपन्थ** नामक धार्मिक संस्था के द्वारा हिन्दू, नाम, आचार एवं साहित्य सम्बन्धी शब्दों का उपयोग कर कुछ लोग बनावटी हिन्दू धार्मिक साहित्य द्वारा जनता को भ्रमित कर इस्लाम धर्म स्वीकार करने को बढ़ावा दे रहे हैं। उदाहरण के लिये - दशावतार के नाम पर **मुहम्मद पैगम्बर के जामाता हजरत अली तालीब** को विष्णु का दसवाँ अवतार मानना, उन्हें निष्कलंकी नारायण कहना इत्यादि। इसी **सतपन्थ** की शाखायें गुजरात एवं महाराष्ट्र में भी कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से **पीराणा सतपन्थ** नाम से लोगों को मुसलमान बनाया जा रहा है। **आगाखाँ फाउण्डेशन** नाम की विदेशी रिसर्च संस्था यहाँ के बुद्धिजीवियों पर अपना आधिपत्य जमा रही है। कहना न होगा कि मुहम्मद अली जिन्ना के दादा और पिता भी इसी धर्म से प्रभावित होकर मुसलमान हो गये थे।

**सतपन्थ** का विरोध होने पर इनके चतुर मुसलमान प्रचारकों ने **ताकिया** (इस्लाम में प्रतिबन्धित सभी आचार-विचार का उल्लंघन कर अन्य धर्मानुयायी को मुलमान बनाना) का प्रयोग शुरु कर दिया है। दुःख की बात है कि न केवल भोली-भाली हिन्दु जनता ही प्रत्युत् अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्मा भी इनके कुचक्र से प्रभावित हो रहे हैं, उन्हें **सतपन्थ** के इस षडयन्त्र से परिचित होना चाहिये तथा हिन्दुओं को मुसलमान बनने से रोकने में सहयोग करना चाहिये। कच्छ गुजरात में भी एक विशेष समाज को ये **सतपन्थी** प्रभावित कर रहे हैं। ध्यातव्य है कि **सतपन्थ** के कुचक्र का विरोध करने वाले संतों के प्रभाव से बचने के लिये और जनता का विश्वास जीतने के लिये ये लोग समय-समय पर हिन्दू संतों का सम्मेलन आयोजित करते रहते हैं। जैसे - इमाम शाह की कवर को समाधि कहकर कब्रिस्तान के बगल में एक बार साधु-सम्मेलन इनके द्वारा किया जा चुका है, जिससे पीराणा सतपन्थ को पुष्पित-पल्लवित होने का आधार प्राप्त हो रहा है। पीराणा जाने से मालूम नहीं पड़ता कि ये स्थान हिन्दुओं का है या मुसलमानों का।

अनेक प्रामाणिक साक्ष्यों के आधार पर निःसंकोचतया यह कहा जा सकता है कि अनेक नामों से प्रचलित **पीराणा सतपन्थ** सनातन हिन्दूधर्म, संस्कृति एवं वैदिक परम्परा को अनवरत क्षति पहुँचा रहा है। कुछ पत्रों के आधार पर यह भी पता चला है कि यह पन्थ 17-19 नवम्बर 2012 को पुनः एक सम्मेलन करने जा रहा है जिसमें देश के अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्मा भाग लेने जा रहे हैं। उसके निमन्त्रण पत्र के मुखपृष्ठ पर लिखा है 'ॐनिष्कलंकी नाराणाय नमः' 'ॐ सनातन सतपन्थ' यह सम्मेलन भी **सतपन्थ** (छद्मरूप से इस्लाम की प्रचारक संस्था) के द्वारा ही कराया जा रहा है।

अतः समस्त सनातन वैदिक धर्म, हिन्दू संस्कृति की रक्षा को ध्यान में रखते हुए आप समस्त हिन्दूधर्मावलम्बियों को इस प्रकार के षडयन्त्रों से सावधान होने की आवश्यता है। एतावता **भारत साधु समाज** ऐसे छद्म संस्थाओं के षडयन्त्र का विरोध करता है।

(ब्रह्मचारी गोपालानन्द)
अध्यक्ष

realpatidar.com